

BSEB • STET 2026

शिक्षण कला (Art of Teaching) विस्तृत नोट्स

आसान भाषा • अंग्रेज़ी शब्द कोष्ठक में • तालिकाएँ व फ्लो-चार्ट
11 इकाइयाँ + त्वरित पुनरावृत्ति + अभ्यास प्रश्न

Hindi + English Terms

परिभाषाएँ

याद रखने की ट्रिक

परीक्षा में पूछे जाने वाले बिंदु

15 अभ्यास MCQ

⚠ ये नोट्स सामान्य शिक्षाशास्त्र के आधार पर तैयार किए गए हैं। अंतिम पाठ्यक्रम के लिए BSEB की आधिकारिक अधिसूचना (biharboardonline.com) अवश्य देखें।

अनुक्रमणिका

इन नोट्स को कैसे पढ़ें – हर शब्द के साथ English रूप कोष्ठक () में दिया है। हर इकाई में पहले मूल बात, फिर विस्तार, फिर "याद रखें" और "परीक्षा में पूछा जाता है" बॉक्स मिलेंगे।

1	शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया शिक्षण, अधिगम, अधिगम के सिद्धांत, प्रभावित करने वाले कारक
2	शिक्षण के उद्देश्य एवं ब्लूम टैक्सोनोंमी तीनों पक्ष, संशोधित टैक्सोनोंमी, व्यवहारगत उद्देश्य
3	शिक्षण-विधियाँ एवं उपागम व्याख्यान, प्रदर्शन, प्रोजेक्ट, ह्युरिस्टिक, आगमन-निगमन आदि
4	शिक्षार्थी-केंद्रित शिक्षण रचनावाद, पियाजे, वाइगोत्स्की, बहु-बुद्धि, समावेशी शिक्षा
5	पाठ-योजना घटक, हर्बर्ट के पाँच पद, मॉरिसन योजना, इकाई योजना
6	सूक्ष्म शिक्षण चक्र, कौशल, गुण-सीमाएँ
7	कक्षा-प्रबंधन अनुशासन, नेतृत्व शैलियाँ, संप्रेषण, बाधाएँ
8	शिक्षण सहायक सामग्री एवं ICT एडगर डेल का अनुभव-शंकु श्यामपट्ट, डिजिटल साधन
9	मूल्यांकन एवं आकलन मापन-आकलन-मूल्यांकन, CCE, अच्छे परीक्षण के गुण, ब्लू-प्रिंट
10	पाठ्यचर्या अर्थ, सिद्धांत, NCF, NEP 2020
11	उपचारात्मक शिक्षण निदान, कारण, उपचार, विशेष विद्यार्थी
★	त्वरित पुनरावृत्ति शीट व 15 अभ्यास प्रश्न परीक्षा से पहले अंतिम दोहराव

1.1 शिक्षण (Teaching) का अर्थ (Meaning)

शिक्षण (Teaching) वह प्रक्रिया है जिसमें शिक्षक (Teacher), शिक्षार्थी (Learner) और पाठ्यवस्तु (Content) तीनों आपस में क्रिया-प्रतिक्रिया (interaction) करते हैं, ताकि विद्यार्थी में **वांछित परिवर्तन (desired change)** आए। शिक्षण केवल "बोलना" या "पढ़ाना" नहीं है, इसका असली मकसद **सीखना सुगम बनाना (facilitating learning)** है।

परिभाषा (बर्टन / Burton): शिक्षण, सीखने के लिए प्रेरणा (stimulation), निर्देशन (direction), मार्गदर्शन (guidance) और प्रोत्साहन (encouragement) देने की प्रक्रिया है।

शिक्षण की प्रमुख विशेषताएँ (Characteristics)

- यह **उद्देश्यपूर्ण (purposeful)** और **योजनाबद्ध (planned)** प्रक्रिया है।
- यह **द्विमुखी / त्रिमुखी (bipolar / tripolar)** है: शिक्षक (Teacher) – शिक्षार्थी (Learner) – पाठ्यवस्तु (Content)।
- इसमें शिक्षक का काम मार्गदर्शक (guide) और सुविधादाता (facilitator) का होता है।
- शिक्षण **कला भी है और विज्ञान भी**, कला (Art) इसलिए कि रचनात्मकता (creativity) चाहिए, विज्ञान (Science) इसलिए कि उसके सिद्धांत (principles) हैं।

1.2 शिक्षण के स्तर (Levels of Teaching)

स्तर (Level)	प्रतिपादक (Proposer)	मुख्य बात (Key Point)
स्मृति स्तर (Memory Level)	हर्बर्ट (Herbart)	तथ्य रटना और याद रखना (rote memorisation)। सबसे निचला स्तर। शिक्षक-केंद्रित (teacher-centred)।
बोध स्तर (Understanding Level)	मॉरिसन (Morrison)	सिद्धांत समझना (understanding), तथ्यों के बीच संबंध देखना और उसे नई जगह लगाना (application)।
चिंतन स्तर (Reflective Level)	हंट (Hunt)	समस्या-समाधान (problem solving), आलोचनात्मक (critical) व मौलिक (original) चिंतन। सबसे ऊँचा स्तर। शिक्षार्थी-केंद्रित (learner-centred)।

याद रखने की ट्रिक: "हर्बर्ट → स्मृति", "मॉरिसन → बोध", "हंट → चिंतन"। नीचे से ऊपर का क्रम: स्मृति → बोध → चिंतन।

1.3 शिक्षण के सूत्र (Maxims of Teaching)

अच्छे शिक्षक इन सूत्रों के अनुसार पढ़ाते हैं। ये सीधे प्रश्न के रूप में खूब पूछे जाते हैं:

सूत्र (Maxim)	उदाहरण (Example)
ज्ञात से अज्ञात की ओर (Known to Unknown)	घर का नक्शा समझाकर गाँव/राज्य का नक्शा समझाना

सरल से जटिल की ओर (Simple to Complex)	जोड़ → गुणा → बीजगणित
मूर्त से अमूर्त की ओर (Concrete to Abstract)	गेंद दिखाकर गोले की अवधारणा समझाना
प्रत्यक्ष से अप्रत्यक्ष की ओर (Direct to Indirect)	पहले वस्तु दिखाना, फिर उसका चित्र/वर्णन
पूर्ण से अंश की ओर (Whole to Part)	पहले पूरा पाठ बताना, फिर उसके हिस्से
विश्लेषण से संश्लेषण की ओर (Analysis to Synthesis)	पहले टुकड़ों में बाँटना, फिर जोड़कर निष्कर्ष
अनिश्चित से निश्चित की ओर (Indefinite to Definite)	सामान्य अनुमान से सटीक तथ्य तक
मनोवैज्ञानिक से तार्किक क्रम की ओर (Psychological to Logical Order)	बच्चे की रुचि से शुरू करके विषय के तार्किक क्रम तक

1.4 शिक्षण की अवस्थाएँ (Phases of Teaching - जैक्सन / Jackson)

पूर्व-क्रियात्मक (Pre-active)
योजना बनाना

अंतःक्रियात्मक (Interactive)
कक्षा में पढ़ाना

उत्तर-क्रियात्मक (Post-active)
मूल्यांकन व सुधार

1.5 अधिगम (Learning) का अर्थ

सरल परिभाषा: अनुभव या अभ्यास के कारण व्यवहार में आने वाला **अपेक्षाकृत स्थायी परिवर्तन (relatively permanent change)** अधिगम कहलाता है।

- थकान (fatigue), नशा, बीमारी या परिपक्वता (maturation) से आया अस्थायी परिवर्तन "अधिगम" नहीं है।
- अधिगम जीवनभर चलने वाली प्रक्रिया है, प्रगतिशील और उद्देश्यपूर्ण होती है।

1.6 अधिगम के प्रमुख सिद्धांत (Theories of Learning)

(क) थार्नडाइक (Thorndike) - प्रयास-त्रुटि सिद्धांत (Trial and Error Theory / S-R Bond)

बिल्ली को पिंजरे (puzzle box) में बंद करके भोजन रखा गया। बार-बार कोशिश करके वह सही तरीका सीख गई। इसी आधार पर यह सिद्धांत बना। सीखना = उद्दीपक (Stimulus) और प्रतिक्रिया (Response) के बीच संबंध बनना।

मुख्य नियम (Main Laws)	अर्थ (Meaning)
तत्परता का नियम (Law of Readiness)	सीखने के लिए मानसिक रूप से तैयार होने पर सीखना आसान और सुखद होता है।
अभ्यास का नियम (Law of Exercise)	बार-बार अभ्यास से संबंध मज़बूत होता है; अभ्यास छोड़ने से कमज़ोर।
प्रभाव का नियम (Law of Effect)	जिस क्रिया का परिणाम सुखद हो, वह दोहराई जाती है; कष्टकारी हो तो छूट जाती है।

(ख) पावलॉव (Pavlov) - शास्त्रीय अनुबंधन (Classical Conditioning)

कुत्ते के सामने भोजन (स्वाभाविक उद्दीपक) रखने पर लार निकलती है। भोजन के साथ बार-बार घंटी बजाने पर बाद में केवल घंटी से ही लार निकलने लगी। यानी **अस्वाभाविक उद्दीपक भी प्रतिक्रिया कराने लगा।**

(ग) स्किनर (Skinner) – क्रिया-प्रसूत अनुबंधन (Operant Conditioning)

स्किनर बॉक्स में चूहा लीवर दबाने पर भोजन पाता था। जिस व्यवहार के बाद पुरस्कार (पुनर्बलन / Reinforcement) मिलता है, वह बार-बार होता है। यहाँ व्यवहार **स्वयं किया जाता है**, यही पावलॉव से अंतर है।

अवधारणा (Concept)	अर्थ (Meaning)
धनात्मक पुनर्बलन (Positive Reinforcement)	अच्छा व्यवहार दोहराने के लिए कुछ सुखद देना (जैसे प्रशंसा, इनाम)
ऋणात्मक पुनर्बलन (Negative Reinforcement)	अच्छा व्यवहार करने पर कोई अप्रिय चीज़ हटाना
दंड (Punishment)	अवांछित व्यवहार रोकना (यह पुनर्बलन नहीं है)

(घ) अन्य महत्वपूर्ण सिद्धांत (Other Theories)

- **कोहलर (Köhler) – सूझ/अंतर्दृष्टि सिद्धांत (Insight Learning):** समस्या को पूरी तरह देखकर अचानक हल सूझ जाना ("अहा!" अनुभव)। यह गेस्टाल्ट (Gestalt) से जुड़ा है।
- **बंडूरा (Bandura) – सामाजिक अधिगम (Social / Observational Learning):** दूसरों को देखकर (अनुकरण/निरीक्षण) सीखना।

1.7 अधिगम को प्रभावित करने वाले कारक (Factors Affecting Learning)

शिक्षार्थी से जुड़े (Learner Factors)

- प्रेरणा (Motivation) व रुचि (Interest)
- ध्यान (Attention) व एकाग्रता
- बुद्धि (Intelligence), परिपक्वता (Maturity)
- स्वास्थ्य, थकान, नींद
- पूर्व अनुभव व आत्म-विश्वास

शिक्षक / विधि से जुड़े (Teacher & Method Factors)

- शिक्षक का व्यक्तित्व (personality) व व्यवहार
- शिक्षण-विधि की उपयुक्तता
- सहायक सामग्री (teaching aids) का प्रयोग
- पुनर्बलन (reinforcement) व प्रतिपुष्टि (feedback)

वातावरण से जुड़े (Environmental Factors)

- कक्षा का भौतिक वातावरण
- प्रकाश, शोर, बैठक-व्यवस्था
- घर व समाज का माहौल
- साथियों का प्रभाव

परीक्षा में पूछा जाता है: "सीखने का नियम 'प्रभाव का नियम' किसने दिया?" → थार्नडाइक। "शास्त्रीय अनुबंधन से कौन जुड़ा है?" → पावलॉव। "स्किनर बॉक्स?" → क्रिया-प्रसूत अनुबंधन।

2.1 उद्देश्य (Objectives) क्यों ज़रूरी हैं?

बिना उद्देश्य के पढ़ाना ऐसा है जैसे बिना मंज़िल की यात्रा। उद्देश्य से तय होता है कि **क्या पढ़ाना है, कैसे पढ़ाना है और कैसे जाँचना है।**

- **सामान्य उद्देश्य (General Objectives):** व्यापक व लंबी अवधि के (जैसे "विज्ञान के प्रति रुचि पैदा करना")।
- **विशिष्ट / व्यवहारगत उद्देश्य (Specific / Behavioural Objectives):** पाठ के अंत में विद्यार्थी क्या कर सकेगा, यह मापने योग्य (measurable) शब्दों में लिखा जाता है (जैसे "विद्यार्थी प्रकाश-संश्लेषण की परिभाषा बता सकेगा")।

2.2 ब्लूम का वर्गीकरण (Bloom's Taxonomy, 1956)

बेंजामिन ब्लूम और उनके सहयोगियों ने शैक्षिक उद्देश्यों को **तीन पक्षों (Domains)** में बाँटा:

पक्ष (Domain)	संबंध (Related to)	किससे जुड़ा (Focus)
ज्ञानात्मक (Cognitive)	सोचना / जानना (Thinking / Knowing)	बौद्धिक क्षमताएँ, ज्ञान व समझ ("Head")
भावात्मक (Affective)	महसूस करना (Feeling)	रुचि, अभिवृत्ति, मूल्य ("Heart")
मनोगत्यात्मक (Psychomotor)	करना / कौशल (Doing / Skill)	शारीरिक कौशल, हाथ से काम ("Hand")

(क) ज्ञानात्मक पक्ष (Cognitive Domain) - निचले से ऊँचे स्तर तक (ब्लूम, 1956)

1. ज्ञान (Knowledge) याद करना	2. बोध (Comprehension) समझना	3. प्रयोग (Application) लागू करना	4. विश्लेषण (Analysis) तोड़कर देखना	5. संश्लेषण (Synthesis) जोड़कर नया बनाना	6. मूल्यांकन (Evaluation) निर्णय देना
----------------------------------	---------------------------------	--------------------------------------	--	---	--

स्तर (Level)	क्रिया-शब्द (Action Verbs)	उदाहरण (Example)
ज्ञान (Knowledge)	परिभाषित करना (define), पहचानना (identify), सूची बनाना (list), याद करना (recall)	"भारत की राजधानी बताओ।"
बोध (Comprehension)	समझाना (explain), उदाहरण देना (give examples), सारांश लिखना (summarise)	"फ़सल चक्र अपने शब्दों में समझाओ।"
प्रयोग (Application)	हल करना (solve), प्रयोग करना (apply), उपयोग करना (use)	"सूत्र से क्षेत्रफल निकालो।"
विश्लेषण (Analysis)	तुलना करना (compare), अंतर बताना (differentiate), कारण खोजना (examine)	"दो कविताओं की भावना की तुलना करो।"
संश्लेषण (Synthesis)	रचना करना (compose), योजना बनाना (plan), डिज़ाइन करना (design)	"नई कहानी / योजना बनाओ।"

मूल्यांकन
(Evaluation)

आलोचना करना (criticise), मूल्य आँकना (judge),
औचित्य बताना (justify)

"इस नीति के गुण-दोष परखो।"

(ख) भावात्मक पक्ष (Affective Domain) - क्रैथवोल / Krathwohl, 1964

ग्रहण (Receiving)
ध्यान देना

अनुक्रिया (Responding)
प्रतिक्रिया देना

मूल्य निर्धारण (Valuing)
महत्व देना

संगठन (Organisation)
मूल्यों को जोड़ना

चरित्रिकरण
(Characterisation)
जीवन का हिस्सा

(ग) मनोगत्यात्मक पक्ष (Psychomotor Domain)

इसे सिम्पसन (Simpson, 1972) ने विकसित किया: अवबोध (Perception) → विन्यास (Set) → निर्देशित अनुक्रिया (Guided Response) → यांत्रिकता (Mechanism) → जटिल प्रत्यक्ष अनुक्रिया (Complex Overt Response) → अनुकूलन (Adaptation) → मौलिकता (Origination)। साइकिल चलाना, प्रयोगशाला उपकरण चलाना, सुंदर लेखन इसी पक्ष में आते हैं।

2.3 संशोधित ब्लूम टैक्सोनॉमी (Revised Bloom's Taxonomy, 2001)

एंडरसन व क्रैथवोल (Anderson & Krathwohl) ने 2001 में इसमें बदलाव किए: संज्ञाओं (nouns) की जगह क्रियाएँ (verbs) रखीं और ऊपर के दो स्तरों की अदला-बदली की।

क्रम (Order)	मूल / Original (1956)	संशोधित / Revised (2001)
1	ज्ञान (Knowledge)	याद करना (Remember)
2	बोध (Comprehension)	समझना (Understand)
3	प्रयोग (Application)	लागू करना (Apply)
4	विश्लेषण (Analysis)	विश्लेषण करना (Analyse)
5	संश्लेषण (Synthesis)	मूल्यांकन करना (Evaluate)
6	मूल्यांकन (Evaluation)	सृजन करना (Create), सबसे ऊँचा

याद रखें: मूल ब्लूम में सबसे ऊँचा = मूल्यांकन; संशोधित में सबसे ऊँचा = सृजन (Create)। यह प्रश्न बार-बार पूछा जाता है।

परीक्षा में पूछा जाता है: भावात्मक पक्ष के वर्गीकरणकर्ता कौन? (क्रैथवोल) | ज्ञानात्मक पक्ष का निचला स्तर? (ज्ञान) | व्यवहारगत उद्देश्य में कौन-सा क्रिया-शब्द सही है, "जानना" या "बता सकेगा"? (बता सकेगा, क्योंकि यह मापने योग्य है)।

3.1 उपागम, विधि, तकनीक में अंतर (Approach, Method, Technique)

शब्द (Term)	अर्थ (Meaning)
उपागम (Approach)	सबसे व्यापक, शिक्षण के प्रति सोच/दर्शन (philosophy), जैसे रचनावादी उपागम (Constructivist Approach)।
विधि (Method)	पढ़ाने का व्यवस्थित तरीका (systematic way), जैसे प्रदर्शन विधि (Demonstration Method)।
तकनीक (Technique)	विधि के भीतर का छोटा चरण या युक्ति, जैसे प्रश्न पूछना (questioning), उदाहरण देना (illustrating)।

क्रम: उपागम (सबसे बड़ा) → विधि → तकनीक (सबसे छोटा)।

3.2 प्रमुख शिक्षण-विधियाँ (Major Teaching Methods)

1. व्याख्यान विधि (Lecture)

शिक्षक बोलता है, विद्यार्थी सुनते हैं। कम समय में अधिक सामग्री पढ़ाने के लिए अच्छी, पर विद्यार्थी निष्क्रिय रहते हैं। उच्च कक्षाओं के लिए ज्यादा उपयुक्त।

2. प्रदर्शन विधि (Demonstration)

शिक्षक स्वयं प्रयोग करके दिखाता है और विद्यार्थी देखते हैं। महँगे या खतरनाक उपकरण होने पर उपयोगी। "देखकर सीखना" पर आधारित।

3. चर्चा / वाद-विवाद विधि (Discussion)

विषय पर विद्यार्थी और शिक्षक आपस में बातचीत करते हैं। अभिव्यक्ति क्षमता, तर्कशक्ति और सहभागिता बढ़ती है।

4. प्रोजेक्ट विधि (Project Method)

इसका दर्शन जॉन डीवी का और विकसित रूप किलपैट्रिक का माना जाता है। विद्यार्थी स्वयं कोई वास्तविक परियोजना चुनते, योजना बनाते और पूरा करते हैं।

परिस्थिति
(Situation)
उत्पन्न करना

चयन व उद्देश्य
(Purposing)
तय करना

योजना (Planning)
बनाना

क्रियान्वयन
(Executing)

मूल्यांकन
(Evaluating)

अभिलेख
(Recording)
लिखना

5. समस्या-समाधान विधि (Problem Solving)

जॉन डीवी के "विचार की प्रक्रिया" पर आधारित। चरण: समस्या का अनुभव (Felt Difficulty) → समस्या को परिभाषित करना (Defining) → परिकल्पना बनाना (Hypothesis) → परीक्षण करना (Testing) → निष्कर्ष निकालना (Conclusion)।

6. ह्युरिस्टिक (अन्वेषण) विधि (Heuristic Method)

प्रवर्तक एच. ई. आर्मस्ट्रांग। "Heuristic" का अर्थ है "मैं खोजता हूँ" (I discover)। शिक्षक कम बताता है, विद्यार्थी स्वयं खोजकर सीखता है। मुख्यतः विज्ञान शिक्षण में प्रसिद्ध।

7. आगमन व निगमन विधि (Inductive & Deductive Method)

आगमन (Inductive)

- उदाहरण → नियम
- विशिष्ट से सामान्य की ओर
- खोज और समझ विकसित होती है
- फ्रांसिस बेकन से संबंध

निगमन (Deductive)

- नियम → उदाहरण
- सामान्य से विशिष्ट की ओर
- तेज़ व संक्षिप्त
- अरस्तू से संबंध

8. अन्य विधियाँ व उनसे जुड़े नाम (Other Methods & Names)

विधि / योजना (Method / Plan)	नाम (Person)	मुख्य बिंदु (Key Point)
सुकरातीय विधि (Socratic Method)	सुकरात (Socrates)	प्रश्नों के जरिए सोचने पर मजबूर करना
किंडरगार्टन विधि (Kindergarten Method)	फ्रोबेल (Froebel)	खेल द्वारा शिक्षा, "बच्चों का बगीचा"
मॉन्टेसरी विधि (Montessori Method)	मारिया मॉन्टेसरी (Maria Montessori)	इंद्रिय शिक्षा, स्वतंत्र चयन, स्व-अधिगम
डाल्टन योजना (Dalton Plan)	हेलेन पार्कहर्स्ट (Helen Parkhurst)	विद्यार्थी स्वयं अपनी गति से काम करता है (अनुबंध/असाइनमेंट)
मस्तिष्क उद्वेलन (Brainstorming)	ओसबर्न (Osborn)	समूह में नए विचारों की झड़ी
सामूहिक/टीम शिक्षण (Team Teaching)	-	दो या अधिक शिक्षक मिलकर पढ़ाते हैं

3.3 शिक्षक-केंद्रित बनाम शिक्षार्थी-केंद्रित (Teacher-centred vs Learner-centred)

बिंदु (Point)	शिक्षक-केंद्रित (Teacher-centred)	शिक्षार्थी-केंद्रित (Learner-centred)
भूमिका	शिक्षक ज्ञान का स्रोत (source of knowledge)	शिक्षक सुविधादाता (facilitator)
विद्यार्थी	निष्क्रिय श्रोता (passive listener)	सक्रिय सहभागी (active participant)
उदाहरण	व्याख्यान, निगमन	प्रोजेक्ट, खोज, चर्चा
अधिगम	रटंत (rote learning) की ओर झुकाव	समझ व चिंतन पर बल

परीक्षा में पूछा जाता है: ह्यूरिस्टिक विधि → आर्मस्ट्रांग। प्रोजेक्ट विधि → किलपैट्रिक (डीवी का दर्शन)। डाल्टन योजना → हेलेन पार्कहर्स्ट। "करके सीखना" → डीवी। किंडरगार्टन → फ्रोबेल।

4.1 मूल विचार

इसमें पढ़ाई के केंद्र में **बच्चा (child)** होता है, पाठ्यपुस्तक या शिक्षक नहीं। बच्चे की रुचि, गति, पूर्व-अनुभव और ज़रूरतों के अनुसार शिक्षण की योजना बनती है। शिक्षक "बताने वाला" नहीं बल्कि **मार्गदर्शक (facilitator)** होता है।

4.2 रचनावाद (Constructivism)

मूल बात: बच्चा ज्ञान को तैयार रूप में ग्रहण नहीं करता, वह अपने अनुभव और सोच से ज्ञान का **निर्माण (construction)** खुद करता है।

पियाजे (Piaget) के संज्ञानात्मक विकास की अवस्थाएँ (Stages of Cognitive Development)

अवस्था (Stage)	आयु (Age)	विशेषता (Feature)
संवेदी-गामक (Sensorimotor)	0-2 वर्ष	इंद्रियों व क्रियाओं से सीखना; वस्तु-स्थायित्व (Object Permanence)
पूर्व-संक्रियात्मक (Preoperational)	2-7 वर्ष	भाषा का विकास, कल्पना, आत्म-केंद्रितता (Egocentrism)
मूर्त संक्रियात्मक (Concrete Operational)	7-11 वर्ष	ठोस वस्तुओं पर तार्किक चिंतन, संरक्षण (Conservation) की समझ
औपचारिक संक्रियात्मक (Formal Operational)	11 वर्ष से आगे	अमूर्त चिंतन (abstract thinking), परिकल्पना बनाना (hypothesis)

पियाजे की मुख्य अवधारणाएँ: स्कीमा (Schema), आत्मसात्करण / Assimilation (नई जानकारी पुराने ढाँचे में फिट करना), समायोजन / Accommodation (ढाँचा बदलना), संतुलन (Equilibration)।

वाइगोत्स्की (Vygotsky) का सामाजिक-सांस्कृतिक सिद्धांत (Socio-cultural Theory)

- **समीपस्थ विकास क्षेत्र (Zone of Proximal Development, ZPD):** जो काम बच्चा अकेला नहीं कर सकता पर मार्गदर्शन से कर लेता है, उन दोनों के बीच का दायरा।
- **स्कैफोल्डिंग (Scaffolding):** शुरुआत में सहारा देना और धीरे-धीरे हटा लेना।
- भाषा और सामाजिक संवाद सीखने का मुख्य साधन हैं।

ब्रूनर (Bruner)

खोज द्वारा अधिगम (Discovery Learning)। सीखने के तीन रूप: क्रियात्मक (Enactive), चित्रात्मक (Iconic), प्रतीकात्मक (Symbolic)।

4.3 5E मॉडल (5E Model of Constructivist Teaching)

Engage
जिज्ञासा जगाना

Explore
खोजना, करके देखना

Explain
समझाना

Elaborate
विस्तार देना

Evaluate
जाँच करना

4.4 वैयक्तिक भिन्नताएँ व बहु-बुद्धि (Individual Differences & Multiple Intelligences)

कोई भी दो बच्चे बिल्कुल एक जैसे नहीं होते। उनकी गति, रुचि, क्षमता, पृष्ठभूमि अलग होती है। इसलिए एक ही तरीका सब पर नहीं चलता।

हार्वर्ड गार्डनर (Howard Gardner) के अनुसार बुद्धि के प्रकार (Multiple Intelligences):

भाषाई - Linguistic

तार्किक-गणितीय - Logical-Mathematical

स्थानिक (दृश्य) - Spatial

संगीतात्मक - Musical

शारीरिक-गतिबोधक - Bodily-Kinesthetic

अंतर्व्यक्तिक (दूसरों को समझना) - Interpersonal

अंतःव्यक्तिक (स्वयं को समझना) - Intrapersonal

प्रकृतिवादी - Naturalistic

4.5 सहयोगात्मक अधिगम व समावेशी कक्षा (Cooperative Learning & Inclusive Classroom)

- **सहयोगात्मक अधिगम (Cooperative Learning):** छोटे समूहों में मिलकर सीखना, जिसमें साथी एक-दूसरे से सीखते-सिखाते हैं (peer learning)।
- **समावेशी शिक्षा (Inclusive Education):** सभी बच्चे, चाहे अलग क्षमता, लिंग, जाति, भाषा या दिव्यांगता वाले हों, एक ही कक्षा में साथ पढ़ें और उन्हें समान अवसर मिलें।

सक्रिय कक्षा के उदाहरण (Active Classroom Examples)

- गतिविधि आधारित अधिगम (Activity-based Learning): मॉडल बनाना, प्रयोग
- समूह-चर्चा (group discussion), भूमिका-अभिनय (role play)
- प्रश्न पूछने व जिज्ञासा को प्रोत्साहन
- स्थानीय परिवेश से उदाहरण

परीक्षा में पूछा जाता है: ZPD → वाइगोत्स्की। संज्ञानात्मक विकास की 4 अवस्थाएँ → पियाजे। बहु-बुद्धि → गार्डनर। खोज अधिगम → ब्रूनर। "ज्ञान का निर्माण बच्चा स्वयं करता है" → रचनावाद।

5.1 पाठ-योजना (Lesson Plan) क्या है?

अर्थ: किसी कालांश (पीरियड) में क्या, कैसे और किस क्रम में पढ़ाना है, इसकी पहले से तैयार लिखित रूपरेखा को पाठ-योजना कहते हैं।

लाभ (Advantages): समय का सही उपयोग, आत्म-विश्वास, उद्देश्य की स्पष्टता, कक्षा में अनुशासन, मूल्यांकन में आसानी।

5.2 पाठ-योजना के मुख्य घटक (Components of a Lesson Plan)

घटक (Component)	क्या लिखा जाता है (Content)
सामान्य सूचनाएँ (General Information)	कक्षा, विषय, प्रकरण, दिनांक, अवधि, विद्यार्थियों की संख्या
उद्देश्य (Objectives)	सामान्य व विशिष्ट (व्यवहारगत) उद्देश्य
पूर्व-ज्ञान (Previous Knowledge)	विद्यार्थी पहले से क्या जानते हैं
सहायक सामग्री (Teaching Aids)	चार्ट, मॉडल, श्यामपट्ट, डिजिटल साधन
प्रस्तावना (Introduction)	पूर्व-ज्ञान जाँचते हुए रुचि जगाना
प्रस्तुतीकरण (Presentation)	नया ज्ञान क्रमबद्ध तरीके से
बोधात्मक प्रश्न (Comprehension Questions)	समझ जाँचने के छोटे प्रश्न
श्यामपट्ट सार (Blackboard Summary)	पाठ का सारांश बोर्ड पर
मूल्यांकन व गृहकार्य (Evaluation & Homework)	उद्देश्य प्राप्ति की जाँच व अभ्यास

5.3 हर्बर्ट के पाँच पद (Herbartian Five Steps)

1. प्रस्तावना
Preparation

2. प्रस्तुतीकरण
Presentation

3. तुलना / सम्बन्ध
Association

4. सामान्यीकरण
Generalisation

5. प्रयोग
Application

- **प्रस्तावना (Preparation):** पूर्व-ज्ञान जाँचकर पाठ के लिए मानसिक रूप से तैयार करना।
- **प्रस्तुतीकरण (Presentation):** नई सामग्री प्रस्तुत करना।
- **तुलना (Association / Comparison):** नए ज्ञान की पुराने ज्ञान से तुलना व संबंध।
- **सामान्यीकरण (Generalisation):** उदाहरणों से नियम / निष्कर्ष निकालना।
- **प्रयोग (Application):** सीखे हुए नियम को नई परिस्थिति में लगाना।

याद रखें: "प्र-प्र-तु-सा-प्र" = प्रस्तावना, प्रस्तुतीकरण, तुलना, सामान्यीकरण, प्रयोग।

5.4 मॉरिसन योजना (Morrison's Unit Plan - इकाई-आधारित)

खोज
Exploration

प्रस्तुतीकरण
Presentation

आत्मसात्करण
Assimilation

संगठन
Organisation

वाचन
Recitation

5.5 इकाई योजना व वार्षिक योजना (Unit Plan & Annual Plan)

- **वार्षिक योजना (Annual Plan):** पूरे सत्र का पाठ्यक्रम महीने/सप्ताह के अनुसार बाँटना।
- **इकाई योजना (Unit Plan):** एक पूरी इकाई (कई पाठ) की योजना, ताकि सभी पाठ आपस में जुड़े रहें।
- **दैनिक पाठ-योजना (Daily Lesson Plan):** एक कालांश की विस्तृत योजना।

परीक्षा में पूछा जाता है: हर्बर्ट का सही क्रम। "प्रस्तावना का मुख्य उद्देश्य?" → पूर्व-ज्ञान जाँचना व रुचि जगाना। "मॉरिसन योजना का पहला चरण?" → खोज।

6.1 अर्थ (Meaning)

मूल बात: सूक्ष्म शिक्षण (Micro-teaching) शिक्षक-प्रशिक्षण (teacher training) की वह तकनीक है जिसमें **छोटे समय, छोटे समूह और एक ही कौशल (single skill)** पर अभ्यास करके शिक्षण-कौशल सुधारा जाता है।

- प्रवर्तक: **डी. डब्ल्यू. एलन (D. W. Allen)** (स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय / Stanford University, लगभग 1963)।
- सामान्यतः 5-10 विद्यार्थी और 5-10 मिनट का पाठ।
- एक बार में केवल **एक कौशल** पर ध्यान।
- तुरंत प्रतिपुष्टि (Feedback) मिलती है।
- इसे "शिक्षण का सरलीकृत रूप" भी कहते हैं।

6.2 सूक्ष्म शिक्षण चक्र (Micro-teaching Cycle)



चक्र तब तक दोहराया जाता है जब तक वांछित कौशल में पर्याप्त सुधार न हो जाए।

सूक्ष्म शिक्षण के तीन चरण (Three Phases - Allen)

ज्ञानार्जन (Knowledge Acquisition) → कौशल अर्जन (Skill Acquisition) → अंतरण (Transfer), यानी पहले कौशल को जानना, फिर अभ्यास से हासिल करना, फिर वास्तविक कक्षा में प्रयोग करना।

6.3 प्रमुख शिक्षण-कौशल (Teaching Skills)

कौशल (Skill)	क्या करना होता है (What to do)
प्रस्तावना कौशल (Set Induction Skill)	पाठ की शुरुआत में पूर्व-ज्ञान से जोड़कर रुचि जगाना।
प्रश्न कौशल (Questioning Skill)	स्पष्ट, क्रमबद्ध प्रश्न पूछना; अनुवर्ती (probing) प्रश्नों से विद्यार्थी को गहराई में ले जाना।
व्याख्या कौशल (Explaining Skill)	सरल भाषा में, तार्किक क्रम से, उदाहरण सहित समझाना।
पुनर्बलन कौशल (Reinforcement Skill)	सही उत्तर/व्यवहार की प्रशंसा व प्रोत्साहन देना, जिससे सीखना दृढ़ हो।
उद्दीपन-परिवर्तन (Stimulus Variation)	आवाज़, हाव-भाव, गति, सामग्री बदलते रहना ताकि ऊब न हो।

दृष्टांत / उदाहरण कौशल (Illustration with Examples)	अमूर्त बात को ठोस उदाहरण से समझाना।
श्यामपट्ट कौशल (Blackboard Skill)	साफ़, सही आकार व क्रम से बोर्ड-कार्य।
छात्र सहभागिता (Pupil Participation)	अधिकतम विद्यार्थियों को चर्चा में शामिल करना।
समापन कौशल (Closure Skill)	पाठ के अंत में सारांश निकालना, पाठ को सार्थक अंत देना।

6.4 गुण व सीमाएँ (Merits & Limitations)

गुण (Merits)

- कम समय में कौशल सुधार
- तुरंत प्रतिपुष्टि
- सुरक्षित वातावरण में प्रयोग
- आत्म-विश्वास बढ़ता है

सीमाएँ (Limitations)

- पूरी कक्षा की जटिलता नहीं दिखती
- समय व संसाधन चाहिए
- कौशल बाँटकर पढ़ाने से स्वाभाविकता घटती है
- प्रशिक्षित निरीक्षक चाहिए

परीक्षा में पूछा जाता है: सूक्ष्म शिक्षण के जनक → एलन। प्रति चक्र कितने कौशल → एक। "पाठ के अंत में निष्कर्ष निकालना" → समापन कौशल। "आवाज़ व हाव-भाव में बदलाव" → उद्दीपन-परिवर्तन।

7.1 अर्थ व उद्देश्य (Meaning & Aims)

अर्थ: कक्षा-प्रबंधन (Classroom Management) यानी कक्षा के समय (time), स्थान (space), संसाधन (resources) और विद्यार्थियों के व्यवहार (behaviour) को इस तरह व्यवस्थित करना कि अधिकतम सीखना संभव हो।

- सीखने के अनुकूल वातावरण बनाना।
- समय का सदुपयोग।
- विद्यार्थियों में आत्म-अनुशासन का विकास।

7.2 कक्षा का भौतिक वातावरण (Physical Environment)

- **प्रकाश व हवा:** पर्याप्त रोशनी और हवा, बाईं ओर से प्रकाश आना बेहतर।
- **बैठक-व्यवस्था (Seating Arrangement):** पंक्तिबद्ध, अर्धवृत्त या U-आकार, गतिविधि के अनुसार बदली जा सकने वाली।
- **सफ़ाई व सजावट:** स्वच्छ कक्षा, चार्ट, शिक्षण-कोना।
- **श्यामपट्ट (Blackboard):** सभी को स्पष्ट दिखे, उचित ऊँचाई पर।

7.3 अनुशासन (Discipline)

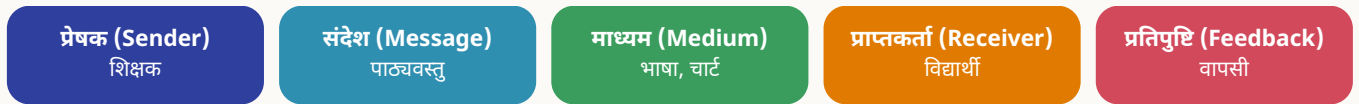
प्रकार (Type)	स्वरूप (Nature)
दमनात्मक (Repressive)	डर, दंड व कठोरता से नियंत्रण; पुराना और अनुपयुक्त तरीका।
प्रभावात्मक (Impressionistic)	शिक्षक के आदर्श व्यक्तित्व के प्रभाव से अनुशासन।
आत्म-अनुशासन (Self-discipline)	विद्यार्थी स्वयं नियम मानता है; सर्वश्रेष्ठ माना जाता है।

महत्वपूर्ण: शिक्षा का अधिकार अधिनियम (Right to Education Act, RTE) 2009 की धारा 17 के अनुसार बच्चों को शारीरिक दंड (corporal punishment) व मानसिक उत्पीड़न देना निषिद्ध है।

7.4 कक्षा-नेतृत्व की शैलियाँ (Leadership Styles - कर्त लेविन / Kurt Lewin)

शैली (Style)	विशेषता (Feature)
निरंकुश (Autocratic)	सभी निर्णय शिक्षक के विद्यार्थियों की भागीदारी कम।
लोकतांत्रिक (Democratic)	चर्चा से निर्णय; सहभागिता व स्वतंत्रता। सर्वश्रेष्ठ।
अहस्तक्षेप (Laissez-faire)	शिक्षक बहुत कम निर्देश देता है; अव्यवस्था की संभावना।

7.5 कक्षा में संप्रेषण (Communication)



संप्रेषण की बाधाएँ (Barriers to Communication)

- **भौतिक (Physical):** शोर, खराब प्रकाश, भीड़।
- **भाषाई (Linguistic):** कठिन शब्द, अपरिचित बोली।
- **मनोवैज्ञानिक (Psychological):** डर, ध्यान की कमी, पूर्वाग्रह।
- **शिक्षक-संबंधी (Teacher-related):** अस्पष्ट उच्चारण, बहुत तेज़ गति।

समस्यात्मक व्यवहार से निपटने के उपाय (Handling Problem Behaviour)

- कारण खोजना (अक्सर ऊब, उपेक्षा, पारिवारिक तनाव)
- सकारात्मक पुनर्बलन देना
- निजी तौर पर समझाना, सबके सामने अपमान नहीं
- गतिविधियों में व्यस्त रखना

परीक्षा में पूछा जाता है: सर्वश्रेष्ठ अनुशासन → आत्म-अनुशासन। सर्वश्रेष्ठ नेतृत्व शैली → लोकतांत्रिक। संप्रेषण का अंतिम घटक → प्रतिपुष्टि।

8.1 महत्व (Importance)

सहायक सामग्री विद्यार्थियों को अमूर्त विचार **देखने, सुनने और छूने** योग्य बनाती है। इससे रुचि बढ़ती है, समझ गहरी होती है और स्मरण-शक्ति बेहतर होती है। ध्यान रखें कि सामग्री **साधन है, साध्य नहीं**।

8.2 सहायक सामग्री के प्रकार (Types of Teaching Aids)

प्रकार (Type)	उदाहरण (Examples)
श्रव्य (Audio)	रेडियो (Radio), टेप-रिकॉर्डर (Tape Recorder), ऑडियो पुस्तकें, पॉडकास्ट
दृश्य (Visual)	श्यामपट्ट (Blackboard), चार्ट (Chart), मानचित्र (Map), ग्लोब (Globe), मॉडल (Model), फ्लैश कार्ड, बुलेटिन बोर्ड
श्रव्य-दृश्य (Audio-Visual)	टीवी (TV), फ़िल्म (Film), वीडियो (Video), कंप्यूटर/स्मार्ट बोर्ड (Smart Board)
क्रियात्मक (Activity-based)	प्रयोग, क्षेत्र-भ्रमण, वास्तविक वस्तुएँ

8.3 एडगर डेल का अनुभव-शंकु (Cone of Experience)

इसमें अनुभव नीचे के **सबसे मूर्त** रूप से ऊपर के **सबसे अमूर्त** रूप तक सजाए गए हैं:

क्रम	स्तर (नीचे से ऊपर / Bottom to Top)	स्वरूप (Nature)
1	प्रत्यक्ष उद्देश्यपूर्ण अनुभव (Direct Purposeful Experiences)	सबसे मूर्त (most concrete)
2	बनावटी (कृत्रिम) अनुभव (Contrived Experiences)	मूर्त
3	नाटकीय सहभागिता (Dramatized Experiences)	मूर्त
4	प्रदर्शन (Demonstrations)	अर्ध-मूर्त
5	क्षेत्र-भ्रमण (Field Trips)	अर्ध-मूर्त
6	प्रदर्शनी (Exhibits)	अर्ध-मूर्त
7	शैक्षिक टेलीविजन (Educational Television)	अर्ध-अमूर्त
8	चलचित्र (Motion Pictures)	अर्ध-अमूर्त
9	रेडियो / रिकॉर्डिंग / स्थिर चित्र (Radio / Recordings / Still Pictures)	अमूर्त
10	दृश्य प्रतीक (चार्ट, मानचित्र) (Visual Symbols)	अमूर्त

8.4 श्यामपट्ट के सही प्रयोग के नियम (Rules for Using the Blackboard)

- लिखावट साफ़ व सभी को दिखने योग्य हो।
- मुख्य बिंदु क्रम से, छोटे व स्पष्ट रूप में लिखें।
- लिखते समय कक्षा की ओर पीठ करके देर तक न खड़े रहें।
- पाठ खत्म होते ही अनावश्यक सामग्री मिटाएँ व नया सारांश लिखें।

8.5 शिक्षा में ICT (Information & Communication Technology)

- स्मार्ट क्लास, प्रोजेक्टर, ई-सामग्री, शैक्षिक ऐप अधिगम को रोचक बनाते हैं।
- भारत के प्रमुख मंच: DIKSHA, SWAYAM, e-Pathshala।
- सीमा: बिजली, इंटरनेट व प्रशिक्षण की उपलब्धता, इसलिए पारंपरिक साधनों को भी साथ रखें।

परीक्षा में पूछा जाता है: अनुभव-शंकु → एडगर डेल। शंकु का आधार (सबसे मूर्त) → प्रत्यक्ष उद्देश्यपूर्ण अनुभव। शंकु का शीर्ष → शाब्दिक प्रतीक।

9.1 मापन, आकलन और मूल्यांकन में अंतर (Measurement, Assessment & Evaluation)

शब्द (Term)	अर्थ (Meaning)	उदाहरण (Example)
मापन (Measurement)	किसी गुण को संख्या में बताना	"राम ने 70 अंक पाए"
आकलन (Assessment)	सीखने के प्रमाण जुटाकर प्रगति को समझना	कार्य-पत्रक, प्रोजेक्ट से जाँच
मूल्यांकन (Evaluation)	संख्यात्मक (quantitative) + गुणात्मक (qualitative) जानकारी पर निर्णय देना	"राम का प्रदर्शन अच्छा है, पर लेखन सुधारें"

सूत्र: मूल्यांकन (Evaluation) = मापन (Measurement) + गुणात्मक विवरण (Qualitative Description) + मूल्य-निर्णय (Value Judgement)।

9.2 मूल्यांकन के प्रकार (Types of Evaluation)

प्रकार (Type)	कब (When)	उद्देश्य (Purpose)
प्रारंभिक / स्थान-निर्धारण (Placement)	पढ़ाई शुरू होने से पहले	पूर्व-ज्ञान व स्तर जानना
रचनात्मक (Formative)	शिक्षण के दौरान	सुधार व प्रतिपुष्टि, "सीखने के लिए आकलन" (Assessment for Learning)
निदानात्मक (Diagnostic)	कठिनाई दिखने पर	कमज़ोरी के कारण खोजना
योगात्मक (Summative)	इकाई / सत्र के अंत में	ग्रेड/प्रमाण-पत्र हेतु अंतिम उपलब्धि जाँच

मानक-संदर्भित (Norm-referenced)

- विद्यार्थी की तुलना दूसरों से
- रैंक, प्रतिशत

मापदंड-संदर्भित (Criterion-referenced)

- पहले से तय स्तर से तुलना
- "पास/फ़ेल, ग्रेड A/B"

9.3 सतत व व्यापक मूल्यांकन (Continuous & Comprehensive Evaluation – CCE)

- **सतत (Continuous):** पूरे साल नियमित, केवल अंत में नहीं।
- **व्यापक (Comprehensive):** सिर्फ पढ़ाई नहीं, बल्कि शारीरिक, सामाजिक, भावनात्मक व सह-शैक्षिक पक्ष भी।
- उद्देश्य: परीक्षा का तनाव घटाना, रटत कम करना, सर्वांगीण विकास को परखना।
- RTE अधिनियम 2009 में प्रारंभिक कक्षाओं के लिए CCE का प्रावधान है।

9.4 अच्छे परीक्षण के गुण (Characteristics of a Good Test)

गुण (Quality)	अर्थ (Meaning)
वैधता (Validity)	परीक्षण वही मापे जो उसे मापना है।
विश्वसनीयता (Reliability)	बार-बार लेने पर परिणाम लगभग एक जैसा आए।
वस्तुनिष्ठता (Objectivity)	जाँचने वाले की व्यक्तिगत राय का असर न पड़े।
व्यावहारिकता (Practicability / Usability)	समय, खर्च व संसाधन के लिहाज से संभव हो।
विभेदकारिता (Discriminating Power)	अच्छे और कमजोर विद्यार्थियों में अंतर कर सके।

9.5 प्रश्नों के प्रकार (Types of Questions)

निबंधात्मक (Essay Type)

- विचार, अभिव्यक्ति परखता है
- जाँच में व्यक्तिपरकता
- कम प्रश्न ही पूछ पाते हैं

वस्तुनिष्ठ (Objective Type – MCQ etc.)

- तेज़, निष्पक्ष जाँच
- अधिक पाठ्यक्रम का कवरेज
- अनुमान से उत्तर संभव

ब्लू-प्रिंट (Blueprint)

प्रश्न-पत्र बनाने की रूपरेखा, जिसमें तय होता है कि **किस उद्देश्य पर, किस विषयवस्तु से, कितने अंक का, किस प्रकार का प्रश्न** होगा। इससे प्रश्न-पत्र संतुलित और वैध बनता है।

मूल्यांकन के उपकरण (Tools of Evaluation)

चेकलिस्ट (Checklist)

रेटिंग स्केल (Rating Scale)

पोर्टफोलियो (Portfolio)

रूब्रिक (Rubric)

घटना-वृत्त (Anecdotal Record)

संचयी अभिलेख (Cumulative Record)

प्रोजेक्ट (Project)

परीक्षा में पूछा जाता है: शिक्षण के दौरान होने वाला मूल्यांकन → रचनात्मक। अंत में होने वाला → योगात्मक। "जो मापना है वही मापे" → वैधता। कमजोरी के कारण खोजना → निदानात्मक।

10.1 अर्थ (Meaning)

शब्द-उत्पत्ति: "Curriculum" लैटिन शब्द "**Currere**" से बना है, जिसका अर्थ है दौड़ने का मार्ग/रास्ता। पाठ्यचर्या वह पूरा रास्ता है जिससे विद्यार्थी शिक्षा में गुज़रता है।

बिंदु (Point)	पाठ्यचर्या (Curriculum)	पाठ्यक्रम (Syllabus)
दायरा	बहुत व्यापक (broad)	सीमित (narrow)
सामग्री	पढ़ाई + गतिविधियाँ + अनुभव + मूल्य	केवल विषयों व अध्यायों की सूची
उद्देश्य (Objectives)	सर्वांगीण विकास	परीक्षा हेतु निर्धारित सामग्री

10.2 अच्छी पाठ्यचर्या के सिद्धांत (Principles of a Good Curriculum)

- **बाल-केंद्रितता (Child-centredness):** बच्चे की आयु, रुचि, क्षमता के अनुसार।
- **लचीलापन (Flexibility):** स्थानीय ज़रूरतों के अनुसार बदलाव की गुंजाइश।
- **उपयोगिता (Utility):** जीवन से जुड़ी हुई।
- **सर्वांगीण विकास (All-round Development):** बौद्धिक, शारीरिक, सामाजिक, नैतिक व भावनात्मक।
- **एकीकरण / अनुभव-केंद्रित (Integration / Experience-centred):** विषयों में आपसी जुड़ाव।
- **लोकतांत्रिक मूल्य (Democratic Values):** समानता, न्याय, धर्मनिरपेक्षता।

पाठ्यचर्या के प्रकार (Types of Curriculum)

औपचारिक (Formal)

अनौपचारिक (Informal)

छिपी (Hidden) पाठ्यचर्या

मूल (Core) पाठ्यचर्या

सह-पाठ्यचारी गतिविधियाँ (Co-curricular Activities)

छिपी पाठ्यचर्या: जो औपचारिक रूप से लिखी नहीं होती पर स्कूल के माहौल, शिक्षक के व्यवहार, नियमों से बच्चे सीखते रहते हैं।

10.3 राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा (National Curriculum Framework – NCF)

NCERT द्वारा समय-समय पर बनी: 1975, 1988, 2000, 2005 और 2023 (NCF-SE – National Curriculum Framework for School Education)।

NCF 2005 – पाँच मार्गदर्शक सिद्धांत (Five Guiding Principles)

1. ज्ञान को विद्यालय के बाहर के जीवन से जोड़ना।
2. पढ़ाई को रटत प्रणाली (rote learning) से मुक्त करना।
3. पाठ्यचर्या को पाठ्यपुस्तक-केंद्रित न बनाकर बच्चे के सर्वांगीण विकास पर केंद्रित करना।
4. परीक्षा को अधिक लचीला बनाना और कक्षा-जीवन से जोड़ना।
5. बच्चों में लोकतांत्रिक राष्ट्र के नागरिक की पहचान विकसित करना।

NCF 2005 की अध्यक्षता **प्रो. यशपाल** ने की थी (इनकी "बिना बोझ के शिक्षा" रिपोर्ट 1993 में आई थी)। इसका केंद्रीय विचार रचनावाद (Constructivism) पर आधारित है।

10.4 NEP 2020 (National Education Policy) व NCF-SE 2023 (वर्तमान संदर्भ)

नई शिक्षा नीति 2020 ने स्कूली ढाँचा **5+3+3+4** सुझाया:

आधारभूत (Foundational)
आयु 3-8

प्रारंभिक (Preparatory)
आयु 8-11

मध्य (Middle)
आयु 11-14

माध्यमिक (Secondary)
आयु 14-18

- मातृभाषा (mother tongue)/स्थानीय भाषा में शिक्षा पर बल।
- रटत की जगह **दक्षता-आधारित (Competency-based)** व **अनुभवात्मक अधिगम (Experiential Learning)**।
- बहु-विषयक (multidisciplinary) व लचीला (flexible) चयन।

सावधानी: NEP 2020 / NCF-SE 2023 आधिकारिक पाठ्यक्रम में स्पष्ट सूचीबद्ध हैं या नहीं, इसकी पुष्टि BSEB की अधिसूचना से करें। फिर भी मूल बातें पढ़ लेना लाभदायक रहेगा।

परीक्षा में पूछा जाता है: "Currere" का अर्थ। NCF 2005 के अध्यक्ष → यशपाल। NEP 2020 की संरचना → 5+3+3+4।

11.1 अर्थ (Meaning)

अर्थ: जिन विद्यार्थियों को सीखने में विशेष कठिनाई है, उनकी कठिनाई की पहचान करके विशेष योजना व अतिरिक्त प्रयास से उसे दूर करना उपचारात्मक शिक्षण (Remedial Teaching) है।

11.2 उपचारात्मक शिक्षण के चरण (Steps of Remedial Teaching)

1. निदान (Diagnosis)
कमज़ोरी पहचानना

2. कारण-खोज (Finding Causes)
क्यों हो रही है?

3. उपचार (Remedy)
योजना बनाकर पढ़ाना

4. पुनर्मूल्यांकन (Re-evaluation)
सुधार जाँचना

11.3 सीखने की कठिनाई के संभावित कारण (Causes of Learning Difficulty)

प्रकार (Type)	उदाहरण (Examples)
शारीरिक (Physical)	कमज़ोर नज़र/सुनने की समस्या, कुपोषण, बार-बार बीमारी
मानसिक / भावनात्मक (Mental / Emotional)	कम बुद्धि-स्तर, चिंता, आत्म-विश्वास की कमी, ध्यान न लगना
पारिवारिक (Family-related)	गरीबी, अशिक्षा, तनावपूर्ण माहौल, अनुपस्थिति
विद्यालयी (School-related)	अनुपयुक्त शिक्षण-विधि, भारी कक्षा, पुराना पाठ्यक्रम

11.4 विशेष विद्यार्थी (Special Learners)

मंद-अधिगमकर्ता / पिछड़े (Slow Learners / Backward)

- सीखने की गति धीमी
- अधिक अभ्यास, छोटे चरण, सरल उदाहरण
- प्रोत्साहन ज़्यादा

प्रतिभाशाली (Gifted)

- तेज़ गति, उच्च क्षमता
- समृद्धि कार्यक्रम (enrichment), चुनौतीपूर्ण काम
- नेतृत्व के अवसर

सीखने की विशिष्ट अक्षमताएँ (Specific Learning Disabilities)

अक्षमता	किससे संबंधित
डिस्लेक्सिया (Dyslexia)	पढ़ने में कठिनाई
डिस्ग्राफिया (Dysgraphia)	लिखने में कठिनाई
डिस्कैल्कुलिया (Dyscalculia)	गणित/संख्याओं में कठिनाई

11.5 उपचार की विधियाँ (Remedial Methods)

- **व्यक्तिगत ध्यान (Individual Attention)** और छोटे समूह (small group) में पढ़ाना।
- **सहपाठी-शिक्षण (peer tutoring)**: तेज़ विद्यार्थी साथी की मदद करें।
- सरल सामग्री, चित्र, मॉडल व खेल-आधारित अभ्यास।
- बार-बार प्रोत्साहन; सुधार पर पुरस्कार।
- अभिभावकों से संवाद व सहयोग।

परीक्षा में पूछा जाता है: उपचारात्मक शिक्षण से पहले ज़रूरी चरण → निदान। पढ़ने की कठिनाई → डिस्लेक्सिया। लिखने की → डिस्ग्राफिया।



त्वरित पुनरावृत्ति शीट

परीक्षा से एक दिन पहले यही पढ़ें

नाम - योगदान की झटपट सूची (Names & Contributions)

नाम (Name)	याद रखें (Remember)
बर्टन (Burton)	शिक्षण की प्रसिद्ध परिभाषा (प्रेरणा, निर्देशन, मार्गदर्शन)
हर्बर्ट (Herbart) / मॉरिसन (Morrison) / हंट (Hunt)	स्मृति / बोध / चिंतन स्तर; हर्बर्ट के 5 पद
थार्नडाइक (Thorndike)	प्रयास-त्रुटि; तत्परता, अभ्यास, प्रभाव के नियम
पावलोव (Pavlov) / स्किनर (Skinner)	शास्त्रीय / क्रिया-प्रसूत अनुबंधन
कोह्लर (Köhler) / बंडूरा (Bandura)	सूझ / सामाजिक अधिगम
ब्लूम (Bloom) / क्रैथवोल (Krathwohl) / सिम्पसन (Simpson)	ज्ञानात्मक / भावात्मक / मनोगत्यात्मक पक्ष
एंडरसन-क्रैथवोल (Anderson-Krathwohl)	संशोधित टैक्सोनॉमी 2001, उच्चतम स्तर = सृजन
आर्मस्ट्रॉंग (Armstrong)	ह्यूरिस्टिक विधि
डीवी (Dewey) / किल्पैट्रिक (Kilpatrick)	करके सीखना / प्रोजेक्ट विधि
फ्रोबेल (Froebel) / मॉन्टेसरी (Montessori)	किंडरगार्टन / इंद्रिय शिक्षा
हेलेन पार्कहर्स्ट (Helen Parkhurst)	डाल्टन योजना
पियाजे (Piaget) / वाइगोत्स्की (Vygotsky) / ब्रूनर (Bruner)	संज्ञानात्मक अवस्थाएँ / ZPD / खोज अधिगम
गार्डनर (Gardner)	बहु-बुद्धि (8 प्रकार)
एलन (Allen)	सूक्ष्म शिक्षण (Micro-teaching)
कर्ट लेविन (Kurt Lewin)	नेतृत्व शैलियाँ (निरंकुश, लोकतांत्रिक, अहस्तक्षेप)
एडगर डेल (Edgar Dale)	अनुभव-शंकु
यशपाल (Yash Pal)	NCF 2005 की अध्यक्षता

10 अंक पक्के करने वाले एक-लाइनर

1. शिक्षण का सबसे ऊँचा स्तर = **चिंतन स्तर (Reflective Level)**।
2. सीखना (Learning) = अनुभव से व्यवहार में स्थायी परिवर्तन।
3. उपागम > विधि > तकनीक (दायरे के अनुसार)।
4. आगमन (Inductive) = उदाहरण से नियम; निगमन (Deductive) = नियम से उदाहरण।
5. सूक्ष्म शिक्षण = एक कौशल, छोटा समूह, थोड़ा समय, तुरंत प्रतिपुष्टि।
6. रचनात्मक (Formative) = सीखने के दौरान; योगात्मक (Summative) = अंत में।
7. अच्छे परीक्षण के गुण = वैधता (Validity), विश्वसनीयता (Reliability), वस्तुनिष्ठता (Objectivity), व्यावहारिकता (Practicability)।
8. सर्वश्रेष्ठ नेतृत्व शैली = लोकतांत्रिक; सर्वश्रेष्ठ अनुशासन = आत्म-अनुशासन।
9. उपचारात्मक शिक्षण का क्रम = निदान (Diagnosis) → कारण-खोज (Causes) → उपचार (Remedy) → पुनर्मूल्यांकन (Re-evaluation)।
10. RTE 2009 में शारीरिक दंड निषिद्ध।



अभ्यास प्रश्न (15 MCQ)

पहले खुद हल करें, फिर अंत में उत्तर देखें

Q1. शिक्षण के "चिंतन स्तर (Reflective Level)" के प्रतिपादक कौन हैं?

(A) हर्बर्ट (B) मॉरिसन (C) हंट (D) एलन

Q2. संशोधित ब्लूम टैक्सोनॉमी (Revised Bloom's Taxonomy, 2001) में सबसे ऊँचा स्तर कौन-सा है?

(A) मूल्यांकन (B) सृजन (C) विश्लेषण (D) प्रयोग

Q3. भावात्मक पक्ष के वर्गीकरण से कौन जुड़े हैं?

(A) क्रेथवोल (B) सिम्पसन (C) पियाजे (D) ब्रूनर

Q4. हर्बर्ट के पाँच पदों का सही क्रम कौन-सा है?

(A) प्रस्तुतीकरण-प्रस्तावना-तुलना-सामान्यीकरण-प्रयोग
(B) प्रस्तावना-प्रस्तुतीकरण-तुलना-सामान्यीकरण-प्रयोग
(C) प्रस्तावना-तुलना-प्रस्तुतीकरण-प्रयोग-सामान्यीकरण
(D) प्रयोग-प्रस्तावना-प्रस्तुतीकरण-तुलना-सामान्यीकरण

Q5. सूक्ष्म शिक्षण (Micro-teaching) के प्रवर्तक कौन माने जाते हैं?

(A) डी. डब्ल्यू. एलन (B) स्किनर (C) बेकन (D) हंट

Q6. "समीपस्थ विकास क्षेत्र (ZPD)" की अवधारणा किसकी है?

(A) पियाजे (B) वाइगोत्स्की (C) थार्नडाइक (D) गार्डनर

Q7. ह्यूरिस्टिक विधि के प्रवर्तक कौन हैं?

(A) किलपैट्रिक (B) फ्रोबेल (C) आर्मस्ट्रॉंग (D) डीवी

Q8. प्रोजेक्ट विधि के विकास से मुख्यतः कौन जुड़ा है?

(A) किलपैट्रिक (B) पावलॉव (C) एडगर डेल (D) कुर्ट लेविन

Q9. एडगर डेल के अनुभव-शंकु (Cone of Experience) में सबसे मूर्त स्तर कौन-सा है?

(A) शाब्दिक प्रतीक (B) दृश्य प्रतीक (C) चलचित्र (D) प्रत्यक्ष उद्देश्यपूर्ण अनुभव

Q10. "परीक्षण वही मापे जो उसे मापना है", यह गुण (Quality) क्या कहलाता है?

(A) विश्वसनीयता (B) वैधता (C) वस्तुनिष्ठता (D) व्यावहारिकता

Q11. शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया के दौरान होने वाला मूल्यांकन (Evaluation) क्या कहलाता है?

(A) योगात्मक (B) रचनात्मक (C) स्थान-निर्धारण (D) मानक-संदर्भित

Q12. शास्त्रीय अनुबंधन (Classical Conditioning) का सिद्धांत किसने दिया?

(A) पावलोव (B) स्किनर (C) बंडूरा (D) कोहलर

Q13. स्किनर बॉक्स (Skinner Box) प्रयोग किस सिद्धांत से जुड़ा है?

(A) सूझ (B) प्रयास-त्रुटि (C) क्रिया-प्रसूत अनुबंधन (D) शास्त्रीय अनुबंधन

Q14. NCF 2005 की अध्यक्षता किसने की थी?

(A) प्रो. यशपाल (B) कोठारी (C) राधाकृष्णन (D) मुदालियर

Q15. उपचारात्मक शिक्षण (Remedial Teaching) का सही क्रम कौन-सा है?

(A) उपचार → निदान → कारण-खोज → पुनर्मूल्यांकन
(B) निदान → कारण-खोज → उपचार → पुनर्मूल्यांकन
(C) कारण-खोज → उपचार → निदान → पुनर्मूल्यांकन
(D) पुनर्मूल्यांकन → निदान → उपचार → कारण-खोज

उत्तर-कुंजी: 1-C 2-B 3-A 4-B 5-A 6-B 7-C 8-A 9-D 10-B 11-B 12-A 13-C 14-A 15-B

सही रणनीति + नियमित अभ्यास = STET में सफलता

इन नोट्स को 2-3 बार दोहराएँ और पिछले वर्षों के प्रश्न-पत्र हल करें। शुभकामनाएँ!